हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, सोमवार, 13 जनवरी 2025

मराठा लांसर्स वानाडोंगरी की विजयी शुरुआत

>एमपी खेल महोत्सव विदर्भ स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

नागपुरः

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी की परिकल्पना वाले एमपी स्पोर्ट्स फेस्टिवल के तहत आयोजित विदर्भ स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट में मराठा लांसर्स वानाडोंगरी टीम ने शानदार शुरुआत की। यह टूर्नामेंट मनकापुर इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। रविवार, 12 जनवरी को टूर्नामेंट के पहले दिन मराठा लांसर्स वानाडोंगरी ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीत हासिल की।

पुरुष वर्ग में मराठा लांसर्स

वानाडोंगरी ने शिकाना कबड्डी टीम उमरेड को 57-26 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, महिला वर्ग में मराठा लांसर्स वानाडोंगरी टीम ने सीकेसी पचगांव उमरेड को 42-5 से एकतरफा जीत दर्ज की।

इससे पहले, नागपुर जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष श्री मदन रतन, श्री अनिल गुल, डॉ. विवेक अवसरे, श्री विनय कडू, श्री प्रदीप सेलोकर की उपस्थिति में विदर्भ स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया।

विदर्भ स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता इंडोर स्टेडियम, मानकापुर

महिला वर्ग

केशरी क्रीड़ा मंडल कलमेश्वर (32) ने महाराणा प्रताप गढ़चिरौली (29) को हराया। साईराम स्पोर्ट्स क्लब रामटेक (34) ने विद्यार्थी यूथ ओल्ड सूबेदार नागपुर (16) को हराया। संघर्ष स्पोर्ट्स क्लब नागपुर (36) ने शिव गर्जना स्पोर्ट्स क्लब रामटेक (9) को हराया। मराठा लांसर्स वानाडोंगरी (42) ने सीकेसी पचगांव उमरेड (5) को हराया। सिटी पुलिस नागपुर (25) ने विक्रांत स्पोर्टिंग क्लब नागपुर (17) को हराया।

पुरुष वर्ग

सुवर्ण भारत खापरखेड़ा (35) ने शिव शक्ति स्पोर्ट्स क्लब लाडगांव काटोल (12) को हराया। राइजिंग सेवन स्पोर्ट्स क्लब हिंगणा (36) ने दादासाहेब बालपांडे कॉलेज बेसा (16) को हराया। तरूण मित्र स्पोर्ट्स क्लब बोरगांव (37) ने शिवराज स्पोर्टिंग क्लब हिंगणा (27) को हराया। मराठा लांसर्स धरमपेठ नागपुर (32) ने एकता स्पोर्टिंग क्लब कलमेश्वर (11) को हराया। केशरी स्पोर्ट्स बोर्ड कलमेश्वर (27) ने टीम डी.जी. शांतिनगर नागपुर (7) को हराया। एकलव्य स्पोर्ट्स क्लब सावनेर (34) ने जय हनुमान स्पोर्ट्स क्लब टेकाड़ी (4) को हराया। सुभाष स्पोर्ट्स क्लब रानाला (30) ने न्यू ताज स्पोर्ट्स क्लब टेका नाका नागपुर (20) को हराया। मराठा लांसर्स वानाडोंगरी (57) ने शिकाना कबड्डी टीम उमरेड (26) को हराया। विद्यार्थी युवा वृद्ध सूबेदार नागपुर (31) ने युवा शक्ति पाटन सावंगी (5) को हराया।

नायलॉन मांजा के खिलाफ जनजागृति अभियान

नागपुरः

कपिलनगर पुलिस स्टेशन के तहत उर्दू शाळा मैदान, कामगार नगर में मकरसंक्रात सण के अवसर पर नायलॉन मांजा के उपयोग के खिलाफ जनजागृती अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को नायलॉन मांजा के खतरों और इसके उपयोग पर प्रतिबंध के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुलिस अधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद थे। इस दौरान उपस्थित लोगों और बच्चों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया:

नायलॉन मांजा का उपयोग अवैध है और इसे उड़ाना एक अपराध है।

नायलॉन मांजा का उपयोग करके कोई भी व्यक्ति पतंग नहीं उड़ाएगा।

नायलॉन मांजा की खरीद-फरोख्त करते हुए कोई संदिग्ध व्यक्ति पाए जाने पर तात्कालिक पुलिस थाने से संपर्क करें।

नागपुर शहर में नायलॉन मांजा के इस्तेमाल से हुई घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

नायलॉन मांजा के उपयोग से पक्षियों की जान को खतरा हो सकता है, साथ ही यह मानव जीवन के लिए भी खतरनाक हो सकता है।

पुलिस ने बताया कि यदि कपिलनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नायलॉन मांजा की खरीद-फरोख्त

की जानकारी हो, तो इसे गुप्त रूप से पुलिस को सूचित किया जाए।

अगर कोई आपात स्थिति उत्पन्न हो, तो तात्कालिक रूप से 112 पर कॉल किया जाए।

आगामी मकरसंक्रात सण के दौरान नायलॉन मांजा के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की अपील की गई।

समाज में किसी भी तरह की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले संदेश, बैनर, वीडियो या गाने न चलाए जाएं, जिससे साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न हो सके।

सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क किया जाए।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि यदि नायलॉन मांजा की खरीद-फरोख्त करते हुए कोई व्यक्ति पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान नागरिकों को सुरक्षित और कानून का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाया गया था, ताकि मकरसंक्रात सण शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाया जा सके।

मकर संक्रांति पर पतंग और मांजा की कीमतों में 30% वृद्धि

नागपुरः संक्रांति का त्योहार महाराष्ट्र में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, और इस दौरान पतंग उत्सव भी बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है। मकर संक्रांति बस एक दिन दूर है, लेकिन इस साल उत्साह उतना नहीं दिखाई दे रहा है। इस साल पतंग और मांजा की कीमतों में लगभग 30% की वृद्धि हो गई है। पतंगों की कीमत 10 रुपये से लेकर 700 रुपये तक हो रही है, वहीं मांजा 350 रुपये से 600 रुपये तक के बंडल में बिक रहा है।

ग्राहकों में इस साल 'सुरती

मांजा' की अधिक मांग देखी जा रही है, हालांकि नायलॉन मांजा सस्ता है, लेकिन सुरती मांजा महंगा होने के बावजूद अधिक खरीदी जा रहा है। इस साल नए प्रकार के सुरती मांजा जैसे साखल, गेंडा, ए.के.56 बाजार में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 350 रुपये से 600 रुपये तक है। इस साल पतंगों में भी आकर्षक डिज़ाइन देखने को मिल रहे हैं, लेकिन 15 फुट लंबी पतंग इस साल सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नागपुर में पहली बार इतनी बड़ी पतंगों की बिक्री हो रही है और इन पतंगों के लिए ग्राहकों से अच्छी मांग आ रही है। कुल मिलाकर, इस साल पतंग और मांजा की कीमतों में 30% वृद्धि के बावजूद ग्राहक अपनी इच्छानुसार खरीदी नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन पतंग विक्रेताओं का मानना है कि अंतिम दिन तक ग्राहक अच्छा प्रतिसाद देंगे।

एक स्वाभाविक 'कहानी' फिल्म को 'हिट' बनाएगी

नागपुरः 'महिला सशक्तिकरण और फिल्म' विषय पर आयोजित मास्टरक्लास (विशेषज्ञों से बातचीत) में विशेषज्ञों ने कहा कि महिला या पुरुष केंद्रित नहीं, बल्कि प्राकृतिक और स्वाभाविक कहानी वाली फिल्में ही हिट होंगी। नागपुर फिल्म महोत्सव का आयोजन राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और नागपुर फिल्म फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। यह मास्टरक्लास कार्यक्रम रविवार, 12 जनवरी 2025 को राजकपूर सभागार, जमनालाल बजाज प्रशासनिक भवन में आयोजित हुआ।

इस मास्टरक्लास में प्रसिद्ध अभिनेता श्री गजेंद्र चव्हाण, फिल्म निर्देशक एवं अभिनेत्री क्रांति रेडकर, और फिल्म लेखक समीर सतीजा ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ. दीपाली घोंगे ने इस विषय पर विभिन्न प्रश्न पूछते हुए अपनी बात रखी। अभिनेता गजेंद्र चव्हाण ने कहा कि भारतीय सिनेमा में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है और यह बदलाव समाज में महिला सशक्तिकरण का परिणाम है। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का उदाहरण देते हुए कहा कि जो महिलाएं कभी घर की दहलीज नहीं लांघती थीं, वे अब अंतरिक्ष तक पहुंच गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार ने लड़कियों के लिए शिक्षा मुफ्त कर दी है, और महिलाओं को हर क्षेत्र में प्रगति करने का अवसर मिला है। गजेंद्र चव्हाण ने महाराष्ट्र में भी लड़कियों के लिए शिक्षा मुफ्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अपने संघर्ष का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह मुंबई आए थे, तब उन्हें किस तरह कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। फिल्म निर्देशक और अभिनेत्री क्रांति रेडकर ने कहा कि मराठी फिल्मों के भविष्य पर टिप्पणी करना मुश्किल है, क्योंकि मराठी दर्शक कुछ हद तक साहित्यिक विचारधारा वाले होते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मराठी दर्शकों ने 'बाई पान देगा देवा' और 'कंकण' जैसी महिला प्रधान फिल्मों को दिल से स्वीकार किया है। क्रांति ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण होती है, और इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि फिल्म का अंत कैसे दिखाया जाता है। फिल्म लेखक समीर सतीजा ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारा दुर्भाग्य है कि हमें महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करनी पड़ रही है, और हमें समानता की ओर कदम बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि मराठी के पास एक महान सांस्कृतिक विरासत है, लेकिन अगर फिल्म का कथानक बेहतरीन और नवीन नहीं है.

संकलन :- सौमित्र नंदी उपसंपादक / स्पेशल रिपोर्टर - 9881272088, 9604758944

जय श्री राम के नारों सै गुज उठा पारशिवनी शहर

भव्य आनंदोत्सव धुमधाम सै मनाया गया

पारशिवनी. श्री राम मंदिर सनातनी मंडल तथा आपल गाव अयोध्या उत्सव समिति की ओर से शनिवार 11 जनवरी को सुबह प्रभु श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा वर्ष पूर्ति के उपलक्ष्य मैं पारशिवनी शहर में भव्य आनंदोत्सव हजारों राम भक्तों की उपस्थिति में मनाया गया।

इस उत्सव में सभी राम भक्तों ने उपस्थित रहकर पारशिवनी शहर भ्रमण करते हुए जय श्री राम के नारों से शहर गुज उठा। शनिवार 11 जनवरी को प्रभु श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के वर्ष पूर्ति होने के उपलक्ष में सुबह 9:00 बजे पारशिवनी शहर मैं कलश यात्रा निकाली गई ।जो शहर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण कर दोपहर 12:00 श्री राम मंदिर पहुंची जहां भव्य महाआरती के पश्चात दोपहर एक से 4:00 बजे तक महाप्रसाद का आयोजन महात्मा गांधी चौक पर किया गया।

भव्य महा आरती का आयोजन किया

श्याम 7:00 बजे सामूहिक हनुमान चालीसा पठन एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। हजारों भाविक भक्तों की उपस्थिति मैं इस समारोह का समापन किया गया। जहां भारी संख्या में राम भक्त और युवा इस उत्सव में शामिल हुए थे।

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

सावनेर.

मूक बधिर विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय अंतर विद्यालय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता सावनेर के खेल परिसर में संपन्न हुई। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर अध्यक्ष प्रशांत डावले, केडी पवार कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. योगेश पाटिल, ताइक्वांडो कोच भाऊसाहेब गोटमारे और प्राचार्य कविता केलापुरे मुख्य रूप से उपस्थित थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिथियों के हाथों दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सात विद्यालयों के विद्यार्थियों की ओर से अतिथियों का स्वागत फूलों के गुलदस्ते से किया गया। लड़कों के लिए सिंगल्स और लड़कियों के लिए डबल्स का आयोजन किया गया। एकल में अर्णव मेश्राम (मुकबधिर विद्यालय सावनेर) विजेता और अज़हर अहमद शकील अहमद (कल्याण मुकबधिर विद्यालय नागपुर) उपविजेता रहे।

बालिका युगल प्रतियोगिता में कुमारी तृप्ति गोहद अरिका भंडारवार (मूकबधिर विद्यालय हुडकेश्वर नागपुर) विजेता रहीं, जबकि कुमारी चंचल साहू और तनुश्री कांबले (कल्याण मूकबधिर नागपुर) उपविजेता रहीं। इस प्रकार खिलाड़ी कुशल विद्यार्थी बन गये। समापन कार्यक्रम स्कूल मैदान में संपन्न हुआ और विजेता खिलाड़ियों को संस्था के अध्यक्ष प्रशांत डावले प्रिंसिपल कविता केलापुरे मंगेश शनिवारे आदि ने प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। भाग लेने वाले प्रतियोगियों को उपहार एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य कविता केलापुर ने खिलाड़ियों को बधाई दी। खेल शिक्षक संजय लुंगे ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि सुनील राठौड़ ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ज्योति राऊत, विनोद घोलप, राजू दलाल, रमेश टेकमकवार, उत्तमराव चांदूरकर, ज्योति सावंत, धनंजय हेडाऊ, संगीता पिसे, जया काले और नंदा को धन्यवाद दिया।

लांजेवार ने जेसीबी मशीन से हटवाईं कमसरी बाज़ार मैदान की झाड़ियां

कामठी. छावनी क्षेत्र स्थित कमसरी बाज़ार के मैदान में बारिश के दिनों से खरपतवार और कंटीली झाड़ियां पनप गईं थीं. इससे बच्चे मैदान में नहीं खेल पा रहे थे. मैदान परिसर में पूर्व राज्यमंत्री व बरिएमं संस्थापक अध्यक्ष एड. सुलेखा कुंभारे एवं बरिएमं विदर्भ महासचिव व नगर परिषद पूर्व उपाध्यक्ष अजय कदम के मार्गदर्शन में छावनी परिषद पूर्व उपाध्यक्ष व बरिएमं छावनी क्षेत्र अध्यक्ष चंद्रशेखर लांजेवार जेसीबी मशीन लेकर आए और उन्होंने मैदान को मशीन से समतल करवा दिया.

शाला की प्रगति के लिए हरसंभव कोशिश करुंगा: जयस्वाल

राज्यमंत्री आशीष जयस्वाल का सत्कार

रामटेक.

ज्ञानदीप कॉन्वेंट अँड ज्युनिअर कालेज ऑफ साइंस अँड कालेज ऑफ फार्मसी मे राज्यमंत्री एड.आशीष जयसवाल का स्वागत समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष गजेंद्रकुमार चौकसे, सचिव केवल हटवार, कोषाध्यक्ष डा.मोहम्मद शफी कुरेशी, पूर्व विधायक डी. मल्लिकार्जुन रेड्डी, संस्था के सदस्य धनराज काठोके, भास्कर रेड्डी, प्रकाश चौक, डा.अब्दुल गनी, मनोहर राघोंते, कमलेश टक्कामोरे उपस्थित थे. कार्यक्रम कि शुरुआत राज्यमंत्री जयसवाल के हाथो दीप प्रज्वलन से हुई. संस्था अध्यक्ष, सदस्य, शाला और फार्मेसी के प्राचार्य सभी ने मिलकर शाल, श्रीफल और गुलदस्ते से जयसवाल का अभिनंदन किया. संस्था के अध्यक्ष गजेंद्र चौकसे ने जयसवाल द्वारा संस्था और शाला के लिए समय समय पर जो सहयोग किया और संस्था जो उपक्रम चला रही है. उसके प्रगति मे जो योगदान दिया उस के लिए आभार व्यक्त कर ते हुए आशा जताई कि भविष्य मे भी उनका सहयोग निरंतर मिलता रहेगा. राज्यमंत्री एड. आशीष जयसवाल ने अपने संबोधन मे उनके चाचा और संस्था के संस्थापक अध्यक्ष स्व. डॉक्टर विनोदकुमार जयस्वाल ने ज्ञानदीप संस्था के स्थापना के समय जो सपने संजोए थे उसे पुर्ण करने के लिए मै हरसंभव प्रयास करुगा. उन्होने शाला के उज्ज्वल भविष्य कि कामना कर शाला के प्रगति के वे हरसंभव कोशिश करेगे ऐसा आश्वासन दिया. प्रास्ताविक फार्मिसी कालेज के प्राचार्य उचिबगले ने, संचालन खांडेकर ने और आभार शाला की प्राचार्य डा. भुवनेश्वरी ठाकरे ने माना.

कोंढाली का आधार केंद्र तीन महीने से बंद

स्कूली छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों को परेशानी

कोंढाली.

दो वर्ष पहले कोंढाली क्षेत्र के लिए शुरू किया गया आधार सुविधा केंद्र तीन माह से बंद है। आधार सेवा केंद्र बंद होने से स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि कोंढाली का यह केंद्र बंद है, इसलिए कोंढाली नगर पंचायत, कोंढाली जिला परिषद सर्कल, मेटपंजरा जिला सर्कल और बाजार गांव क्षेत्र के कई गांवों और इलाकों को आधार कार्ड निकालने या नवीनीकरण के लिए शहर के स्थान पर जाना पड़ता है। असुविधा को लेकर नागरिकों में नाराजगी व्यक्त की जा रही है।

कई प्रयासों के बाद दो साल पहले कोंढाली में आधार केंद्र शुरू किया गया था, लेकिन पिछले तीन माह से यह बंद है। वर्तमान में इस क्षेत्र में कोई आधार सेवा केंद्र नहीं है, इसलिए स्कूल कॉलेज के छात्रों के साथ उनके माता-पिता और अन्य नागरिकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कई वरिष्ठ नागरिक आधार कार्ड में बदलाव की जानकारी के साथ-साथ अपडेटेड या नया आधार कार्ड प्राप्त करने के लिए आधार केंद्र पर आते हैं। हालाँकि, इसके बंद होने से वरिष्ठ नागरिकों को जानकारी के अभाव में परेशानी उठानी पड़ती है। स्कूली छात्रों और उनके अभिभावकों तथा वरिष्ठ नागरिकों की मांग है कि यहां बंद पड़े आधार सेवा केंद्र को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। छात्रों के 'आधार' से अपडेट के लिये परेशान हैं स्कूल प्रशासन; वेबसाइट काम नहीं कर रही, इस काम के लिए दिन-रात रजिस्ट्रेशन कराना पड़ रहा है। बंद होने के कारण आधार कार्ड निकालने या ठीक कराने के लिए शहरों में जाना पड़ रहा है। इससे समय, धन तथा मनुष्यबल का नुकसान हो रहा है।

कोंढाली आधार सेंटर को जल्द शुरू कराने की मांग स्वप्निल व्यास, अंसार बेग, ब्रजेश तिवारी, अंकित सिंह चव्हाण, बब्लू बिसेन द्वारा की गई है। इस सूचना पर 11 जनवरी को लाखोटिया भुतडा हाईस्कूल तथा महान के बंद पड़े आधार केंद्र में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, इस शिविर में केवल 70 विद्यार्थी ही आधार अपडेट करा सके। कई विद्यार्थियों के खुद के नाम, माता-पिता के नाम, और नाममात्र तकनीकी सुधार के लिये भारी परेशानी हो रही है। इसके लिए इस क्षेत्र के विधायक, सांसद, जिलाधिकारी, अतिरिक्त जिलाधिकारी, उपविभागीय अधिकारी से शिकायत कर कोंढाली में बंद पड़े आधार केंद्र को जल्द से जल्द शुरू करने के आदेश देने की मांग की है।

500 छात्रों को आधार सुधार का इंतजार

कोंढाली और उसके आसपास के कई स्कूली छात्रों को बहुत छोटे और तकनीकी कारणों से परीक्षा फॉर्म भरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एक दिन के लिए शिविर कोंढाली में स्कूल के लगभग 500 छात्र अपने आधार अपडेट के इंतजार में हैं। इसकी जानकारी काटोल के उपविभागीय अधिकारी पीयूष चिवंडे, तहसीलदार राजू रणवीर को दी गई, तब उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के आधार साइट के संचालक को दी।

अभी न संभले तो करना पड़ेगा जल संकट का सामना

गोंदिया. इस वर्ष जिले में औसत बारिश से जलस्तर बढ़ा है। इस बीच का सहित निर्माण कार्य व अन्य क्षेत्रों के लिए पानी का जमकर उपयोग किया जा रहा है और इसकी तुलना में नागरिकों ने पानी के पुनः उपयोग और पुनर्भरण से मुंह मोड़ लिया है. परिणाम स्वरूप कुछ क्षेत्रों में आने वाले दिनों में पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है. दरअसल, नई बस्तियां विकसित हो गई हैं और घर-घर पानी के लिए बोरवेल बनाए जा रहे हैं. बोरवेल व मकान बनाने से पहले प्रशासन की अनुमति लेना जरूरी है. सरकार ने नगर परिषद के साथ ही ग्राम पंचायत सीमा में भी जल पुनर्भरण के लिए सख्ती कर दिया है, लेकिन अनुमति देते समय इस बारे में कोई खात्री नहीं की जा रही है. हालांकि कुछ समझदार नागरिक पहल करते हैं और बारिश के जल संचयन को गंभीरता से लेते हैं.

इस अपवाद के साथ आधे से अधिक नागरिक इस रचनात्मक और भविष्योन्मुखी संकल्पना से मुंह मोड़ रहे हैं. सरकार ने निर्माणाधीन भवनों की छतों पर गिरने वाले पानी को पुनर्भरण करने के निर्णय को 2005 में लागू किया, लेकिन इसका वास्तविक कार्यान्वयन न्यूनतम प्रतीत होता है. जिले के तेजी से शहरीकरण के साथ, भूमिगत जल स्तर गहराई तक पहुंच गया है. देखने में आ रहा है कि शासकीय यंत्रणा द्वारा पानी का पुनर्भरण करने के लिए उदासीनता बरती जा रही है. सूख रहे कुओं और नलों पर रहवासियों द्वारा पुनर्भरण करने से कई जगहों पर अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं, लेकिन इस प्रकल्प के महत्व को अभी तक नागरिकों द्वारा नहीं समझा गया है. जल पुनर्भरण को केवल अनुपालन तक सीमित कर दिया गया है.

कब्जा प्रमाण पत्र जारी करते समय इस बात की जांच की जाती है कि सुधार प्रकल्प प्रगति पर है. लेकिन प्रशासन इस तरह के प्रकल्प को दोबारा नहीं देखता है. स्थानीय निकायों की उपेक्षाः नए भवनों के लिए जल पुनर्भरण अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन स्थानीय निकाय भी इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीर नहीं हैं. नव विकसित क्षेत्रों में बमुश्किल 20 प्रतिशत इमारतों में पुनर्भरण योजनाएं पाई जाती हैं, लेकिन बारिश से लाखों लीटर पानी का पुनर्भरण करना संभव है वहीं इस पर अमल नहीं होने से पानी की समस्या दिन-ब-दिन विकराल होती जा रही है.

भव्य मैरेथॉन दौड़ संपन्न

सावनेर.

स्वामी विवेकानंद महाराज की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में समूचे देश में मनाई जाती है। स्वामीजी ने देश को जो उपदेश दिया था, "अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु दौड़ो, अगर दौड़ नहीं सकते तो चलो और अगर चल नहीं सकते तो रेंगो," उसी प्रेरणादायक संदेश पर आधारित मैरेथॉन स्पर्धा का आयोजन लायंस क्लब सावनेर और कमांडो आर्मी अकादमी द्वारा 12 जनवरी को किया गया। इस मैरेथॉन दौड़ में सैकड़ों युवक-युवतियों ने भाग लिया और इसे सफल बनाया। शहर के गांधी चौक से लायंस क्लब के अध्यक्ष ॲड. मनोज खंगारे, वरिष्ठ भाजपा नेता रामराव मोवाडे, शहर भाजपा अध्यक्ष राजु घुगल, लायंस क्लब सावनेर के डॉ. शिवम पुण्यानी, सावनेर तालुका मराठी पत्रकार संघ के कार्याध्यक्ष दीपक कटारे, दैनिक निर्भीड के संपादक पांडुरंग भोंगाडे आदि ने हरी झंडी दिखाकर स्पर्धा की शुरुआत की।

इस अवसर पर लायंस क्लब के वत्सल बांगरे, ॲड. अभिषेक मुलमुले, पीयुष झिंजुवाडीया, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष दिलीप घटे, कमांडो आर्मी अकादमी के संचालक अधिकारी आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार रोहित पटले (नागपुर) को 11,101 रुपये, द्वितीय पुरस्कार विकास बीसने (नागपुर) को 5,001 रुपये, तृतीय पुरस्कार आवेश चव्हाण (यवतमाल) को 2,001 रुपये प्रदान किया गया। साथ ही, प्रथम दस प्रतिस्पर्धियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रत्येक को 200 रुपये दिए गए। इस स्पर्धा को पूर्ण करने वाले सभी प्रतिस्पर्धियों को 19 जनवरी 2025 को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री महाराष्ट्र शासन, चंद्रशेखर बावनकुळे, क्षेत्र के विधायक डॉ. आशिष बाबू देशमुख, नागपुर जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मनोहर कुंभारे आदि द्वारा नगरद पुरस्कार, स्मृतिचिन्ह तथा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के सफलतार्थ लायंस क्लब सावनेर के रुकेश मुसळे, प्रविण टोनपे, शशांक देशमुख, डॉ. स्वप्नील कांबे, शुभम बोंडे, रुपेश जिवटोडे, प्रविण नारेकर, मधुकर लोई आदि ने परिश्रम लिया। साथ ही सावनेर और केलवद पुलिस स्टेशन के यातायात पुलिस अधिकारी- कर्मचारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केलवद के स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी और पुण्यानी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल सावनेर के डॉ. शिवम पुण्यानी व स्टाफ ने इस आयोजन में अपनी निस्वार्थ सेवा देकर अपने सामाजिक दायित्व का परिचय दिया।

पंचायत समिति सभापति पद के लिए आरक्षण हुआ

गोंदिया.

जिले की आठ पंचायत समिति सभापति पदों के लिए जिलाधीश कार्यालय के जिला नियोजन समिति सभागृह में आरक्षण निकाला गया. जिसमें तीन स्थानों पर सर्वसाधारण, तीन स्थानों पर सर्वसाधारण (महिला) एक स्थान पर अनुसूचित जाति (महिला) व एक स्थान पर अनुसूचित जमाति सभापति ऐसा आरक्षण घोषित हुआ. जिलाधीश प्रजित नायर की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरक्षण का ड्रा निकाला गया. इस अवसर पर जिप सीईओ मुरुगानंथम, उप जिलाधीश (सामान्य) मानसी पाटिल, अधिकारीगण व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे. जिन पंचायत समितियों के लिए पंचायत समिति सभापति पद के लिए आरक्षण घोषित किया गया है, उनका विवरण इस प्रकार है. गोंदिया पंचायत समिति सभापति का पद सर्वसाधारण, आमगांव सर्वसाधारण (महिला), सालेकसा सर्वसाधारण (महिला), गोरेगांव सर्वसाधारण (महिला), तिरोड़ा सर्वसाधारण, सड़क अर्जुनी अनुसूचित जमाति, देवरी सर्वसाधारण और अर्जुनी मोरगांव अनुसूचित जाति (महिला) के लिए आरक्षित रहेगा. पंचायत समिति सभापति पद के लिए यह ड्रा बालिका स्वरा सोमवंशी के हस्ते ईश्वर चिट्ठी द्वारा निकाला गया. उप जिलाधीश (सामान्य) मानसी पाटिल ने उपस्थित लोगों को संपूर्ण आरक्षण प्रक्रिया के बारे में समझाया. उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सभापति पद के लिए आरक्षण जनसंख्या के प्रतिशत के अनुसार उतरते क्रम में तय किया जाता है. बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया गया. मानसी पाटिल ने बताया कि जिले की सभी आठ पंचायत समितियों में पंचायत समिति सभापति पद के लिए 20 जनवरी को चुनाव होंगे.

आरटीओ माफिया पर कार्रवाई की बीआरपीएस के मिश्रा ने की मांग

वाड़ी. हाल ही में मध्यप्रदेश में आरटीओ चेकपोस्ट पर कार्यरत दलाल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों के पास से प्रवर्तन निदेशालय ने भारी मात्रा में सोना, चांदी और हजारों करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की है। यह मामला न केवल गंभीर भ्रष्टाचार का प्रतीक है, बल्कि यह सरकार की छवि को भी धूमिल करता है। आरटीओ चेकपोस्ट और हाईवे चेकिंग के दौरान ट्रक चालकों और मालिकों से अवैध रूप से भारी धनराशि की वसूली की जा रही है। इससे न केवल सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है, बल्कि यह सड़क परिवहन क्षेत्र में रोजगार में भी बाधा उत्पन्न कर रहा है। भ्रष्टाचार के कारण मोटर मालिक आर्थिक दबाव में आकर आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

सड़क सुरक्षा और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा कर यह माफिया आत्मनिर्भर भारत अभियान को कमजोर कर रहा है। ऐसी अवैध गतिविधियों में शामिल परिवहन माफिया और उनके सहयोगी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। चाहे वह प्रदेश के मंत्री हों या परिवहन विभाग के अधिकारी, सभी को कानून के तहत सजा मिलनी चाहिए।एसी भाईचारा राजमार्ग परिवहन सेवा संगठन के संस्थापक नरेंद्र मिश्रा ने मांग की है। साथ ही भारत सरकार और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में, इस प्रकार के भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। इस मामले में दोषी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।जिससे निष्कर्ष ये निकलेगा कि देश और प्रदेश के हित में इस प्रकार के माफिया तंत्र पर रोक लगाने के लिए सरकार से त्वरित और कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा है।

मंत्री बावनकुले बनेंगे शिव लिंग प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी

मंदिर सौंदर्यीकरण निर्माण कार्य का करेंगे उद्घाटन

कामठी. मंदिरों के उद्घाटन, प्राण-प्रतिष्ठा, शिलान्यास का सिलसिला लगातार चल रहा है. इसी क्रम में 18 जनवरी, शनिवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले रणाला के ओमनगर दुर्गा उत्सव समिति के दुर्गा मंदिर में शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रह कर रणाला ग्राम पंचायत सरपंच पंकज विमल नागोराव साबरे की अध्यक्षता में साक्षी बनेंगे.

उपरोक्त कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए ओमनगर दुर्गा उत्सव समिति के उपाध्यक्ष उदयसिंग भिखमसिंग यादव एवं मानद सचिव सौमित्र कल्याणी बैकुंठनाथ नंदी ने बताया कि इस मौके पर मंदिर सौंदर्यीकरण निर्माण कार्य का उद्घाटन भी किया जाएगा.

स्थापना कार्यक्रम दौरान श्री गणेश भगवान, श्री हनुमान जी एवं नंदी बैल मूर्तियों की भी स्थापना की जाएगी. उन्होंने बताया कि ओमनगर दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम काशी (बनारस) के आचार्य आनंद जी मिश्रा एवं पंडित रघुवर प्रसाद मिश्रा द्वारा पूजा अर्चना कर किया जाएगा. जिसके मुख्य यजमान सौ. पायल सुमित अन्नू श्रीकांत सिंधिया पाण्डेय रहेंगे. उन्होंने कहा कि चार दिवसीय कार्यक्रम में गुरुवार 16 जनवरी को सुबह 8 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी. शनिवार 18 जनवरी को शाम में शिर्डी सत्य साईं मंडल के योगसेवक केदार जोशी, एड. संजय राव, एड. नीतू जोशी द्वारा प्रवचन व भजन कीर्तन कार्यक्रम होगा. इस अवसर पर विशेष आमंत्रित के रूप में ज़िला परिषद पूर्व सदस्य अनिल निधान, ज़िला परिषद सदस्य मोहन माकड़े, पंचायत समिति सदस्य उमेश रड़के, नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष माया चवरे, येरखेड़ा ग्राम पंचायत सरपंच सरिता मधुकर रंगारी, भीलगांव ग्राम पंचायत सरपंच भावना चंद्रकांत फलके, खैरी ग्राम पंचायत सरपंच योगिता किशोर धांडे, रणाला ग्राम पंचायत उपसरपंच अंकिता कोविद तलेकर, छावनी परिषद मनोनीत सदस्य कमल उर्फ लालू यादव, नवीन कामठी थाना वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद पोरे, जूना कामठी थाना वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत जुमड़े, यातायात पुलिस निरीक्षक नितीन पतंगे, तंटामुक्त अध्यक्ष विजय उर्फ बाल्या ठाकरे, रणाला गांव पुलिस पाटील विशाल आमधरे, दपुम रेलवे नागपुर विभाग उपभोक्ता सलाहकार सदस्य जयप्रकाश उर्फ बबलु तिवारी प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे. मंदिर विस्तारीकरण निर्माण कार्य में शकूर नागाणी, किशोर बेलसरे, अनंतकाल यादव, किशोर बेले, भास्कर भनारे, मुकुंद यादव, दिलीप जाधव, ईश्वर सीरिया, कमलाकर मोहोड़, प्रकाश ठाकरे, संजय शर्मा, बंडू कापसे, नरेश उर्फ बिट्टू चकोले, शिवकुमार यादव, राजू घोडमारे, प्रशांत चकोले, मुकेश दुर्गे, रमेश कारेमोरे, महेंद्र भोयर, मयंक पूनम महेश सिंह, मनोहर बोम्बोटे, रामू यादव, शेरसिंग यादव, विकास उर्फ विक्की यादव, निखिल उर्फ़ बिट्टू यादव ने सहयोग प्रदान किए.

16 को कलश यात्रा निकाली जाएगी

कार्यक्रम के सफलतार्थ ओमनगर दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष कनवरसिंग पंघाल, उपाध्यक्ष उदयसिंग यादव, मानद सचिव सौमित्र कल्याणी बैकुंठनाथ नंदी, सहसचिव श्रावण केझरकर, सहसचिव देवेश ठाकरे, कोषाध्यक्ष अन्नू श्रीकांत सिंधिया पाण्डेय, सदस्य नीलम राजकुमारसिंह बघेल, सदस्य राजेश पिल्ले, सदस्य अशोक ठाकरे, सदस्य प्रमोद बावनकुले, सदस्य भारती प्रमोद ठाकरे, सदस्य दीपक निकोसे, सदस्य यशवंत आरेकर, सदस्य आकाश काटरपवार, सदस्य अशोक रावत, सदस्य रितेश दुबे, सदस्य ज्ञानेश्वर ससानकर, सदस्य राजेश नायडू, सदस्य अद्विता नरेश घोरमाडे, सदस्य रश्मि जैन सहित ओमनगर के श्रद्धालु कर रहे हैं.

राष्ट्रीय रस्ता सुरक्षा माह का उद्घाटन संपन्न

हिंगनघाट.

राज्य परिवहन हिंगनघाट आगार में "राष्ट्रीय रस्ता सुरक्षा जनवरी अभियान का उद्घाटन 11 को किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक पुलिस निरीक्षक यातायात शाखा हिंगणघाट विनोद भोंडे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम शेंडे, आगार व्यवस्थापक हिंगनघाट ने की। उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि देवानंद पुन्नमवार, पालक अधिकारी व विभागीय कर्म वर्ग अधिकारी वर्धा, जयंत सडमाके, सहायक वाहतूक अधीक्षक हिंगनघाट, नितीन भोयर, वाहतूक पुलिस कर्मचारी, और गणेश वाघमारे, आगार लेखापाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अभियान के फलक का रिविन काटकर की गई। कार्यक्रम में उद्घाटनकर्ता और प्रमुख अतिथि ने उपस्थित सभी को सड़क सुरक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। अध्यक्षीय भाषण में गौतम शेंडे, आगार व्यवस्थापक हिंगणघाट ने अभियान की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन सैय्यद आसिफ, वाहतूक नियंत्रक ने किया और आभार मयूर काठोले ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में आगार के अधिकारी, पर्यवेक्षक, प्रशासनिक कर्मचारी, चालक-वाहक और यांत्रिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बाल मृत्यु दर रोकने टीकाकरण प्रभावी साधन

पंचसूत्री टीका लगाकर कवच कुंडल प्रदान करें: मुरुगानंथम

गोंदिया.

टीकाकरण बाल मृत्यु दर और कुपोषण को रोकने का एक कारगर उपाय है. सभी बीमारियों से लड़ने के लिए जन्म से लेकर अलग-अलग उम्र के बच्चों को टीका लगवाने से उनमें बीमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है. जिप सीईओ मुरुगानंथम ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को टीका अवश्य लगवाएं. बच्चों को अपने नजदीकी आशा कार्यकर्ता के माध्यम से टीकाकरण सत्रों में ले जाएं और उन्हें टीका लगवाएं. हेपेटाइटिस-बी का टीका लगवाना जरूरी: वाघमारे प्रसव के 24 घंटे के अंदर शिशु को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगवाना जरूरी है. जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव के बाद शिशु को यह टीका लगाया जाता है. वहीं निजी नर्सिंग अस्पतालों में प्रसव के बाद शिशु को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगवाना जरूरी है. ऐसा आव्हान सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. अरविंद कुमार वाघमारे ने किया है.

जिले में सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में बीसीजी, हेपेटाइटिस-बी, पोलियो, पेंटावेलेंट, रोटा वायरस, पीसीवी, आईपीवी, मीजल्स-रूबेला, जेई, डीपीटी, विटामिन- ए डोज ई सहित विभिन्न टीके नि:शुल्क लगाए जा रहे हैं. सभी को सजग रहना चाहिए तथा अपने बच्चों का टीकाकरण हर उम्र में कराना सुनिश्चित करना चाहिए. जिला मातृ व शिशु कल्याण पदाधिकारी डा. रोशन राउत ने टीकाकरण के माध्यम से बच्चों के शरीर में विभिन्न बीमारियों से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करने तथा बाल मृत्यु दर व कुपोषण से बचाव के लिए समय पर नियमित टीकाकरण कराने की अपील की है.

हर गांव में टीकाकरण शिविर

❍ स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गांव स्तर पर हर गांव में टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाते हैं. लोगों को जिम्मेदारी से अपने बच्चों को सरकारी अस्पतालों में पूर्ण टीकाकरण करवाना चाहिए ताकि कुपोषण और गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए आवश्यक प्रतिरक्षा विकसित हो सके. बच्चों में होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए नागरिक को अपने बच्चों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर नि:शुल्क टीका लगवाएं. साथ ही बच्चे को जन्म से ही स्तनपान व बीसीजी, पोलियो, हेपेटाइटिस-बी, विटामिन-के के पंचसूत्री टीकाकरण देकर कवच कुंडल प्रदान करने का आव्हान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितिन वानखेड़े और जिला शल्य चिकित्सक डा. अमरीश मोहवे ने की है.

महाविद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन

शिक्षक सत्कार एवं वृक्षारोपण

हिंगनघाट.

तहसील के बुरकोणी स्थित संत साईबाबा कनिष्ठ महाविद्यालय में 1996 बैच के दसवीं कक्षा के पूर्व विद्यार्थियों का एक अनोखा स्नेह मिलन कार्यक्रम हाल ही में उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य हेमंत तिमांडे और शिक्षक मधूकर ढगे का सत्कार करते हुए वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में संत साईबाबा कनिष्ठ महाविद्यालय के प्रविण नाईक, शालेय शिक्षकवृंद एवं कई पूर्व विद्यार्थी उपस्थित थे। पूर्व विद्यार्थी रविकांत डोलसकर ने कार्यक्रम का संचालन किया. जबकि नरेंद्र वनकर ने आभार व्यक्त किया। इस स्नेह मिलन कार्यक्रम में 1996 बैच के कुल 42 पूर्व विद्यार्थी एवं विद्यार्थीनी शामिल हुए, जिनमें रविकांत डोलसकर, नरेंद्र वनकर, नागेश भोंग, महेंद्र शास्त्रकार, मारुती मंगेकर, अमोल नागपूरे, हेटी सावंगी के सरपंच किशोर गुडधे, नेपालचंद्र तुराले, गणेश भोंग, ज्योती लोणकर (चकोले), ज्योती डोफे, पद्मा ताकसांडे, सारिका थुल, अर्चना पांगुल, विशाखा थुल आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम ने विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों और शिक्षकवृंद के बीच एकता और स्नेह को और प्रगाढ़ किया, साथ ही वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

'श्री इडियट्स' के असली रैंचो का व्याख्यान कल

वर्धा.

भारतीय लोकतंत्र अभियान द्वारा कल शाम यानी 13 को शाम 6 बजे प्रसिद्ध पर्यावरणविद् कर्नल सोनम वांगचुक का सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया है. स्थानीय सत्यनारायण बजाज पब्लिक जिला लाइब्रेरी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सोनम वांगचुक 'लद्दाख में लोगों का संघर्ष' विषय पर बोलेंगे। एक नवोन्मेषी शिक्षाविद् और प्रायोगिक इंजीनियर के रूप में प्रसिद्ध सोनम वांगचुक एक पर्यावरणविद के रूप में भी जाने जाते हैं। असम रेजिमेंट में सेवा करते समय, उन्हें कारगिल युद्ध में उनके प्रदर्शन के लिए देश के दूसरे सबसे बड़े सम्मान, महावीर चक्र के साथ-साथ एक अंतरराष्ट्रीय सम्मान, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। फिल्म थ्री इडियट्स में आमिर खान द्वारा निभाई गई फुंगसुक वांगडू की भूमिका सोनम वांगचुक के व्यक्तित्व पर आधारित थी। सोनम वांगचुक वर्तमान में लद्दाख के नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और भारतीय लोकतंत्र अभियान समिति द्वारा जागरूक नागरिकों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

निजी यात्री वाहनों का बोलबाला

गोंदिया.

जिले की सालेकसा व देवरी दुर्गम क्षेत्रों में निजी वाहनों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जा रहा है इस कारण अनेक बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है, लेकिन इस ओर संबंधित विभाग का ध्यान नहीं होने से निजी यात्री वाहनों का बोलबाला दिखाई दे रहा है. सड़कों पर दौड़ रहे कुछ वाहन खटारा स्थिति में पहुंच चुके हैं, जो यात्रियों को लाने ले जाने में उपयोग किए जा रहे हैं. ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका रहती है. फिर भी ऐसे वाहनों को वाहन चालक बेखौफ सड़क पर दौड़ा रहे कुछ वाहनों से काला धुआं भी निकलते दिखाई देता है, जो वातावरण में प्रदूषण फैलाता है. कुछ यात्री तो काली-पीली टैक्सी के दरवाजे में खड़े होकर यात्रा करते हैं. इतना ही नहीं तो ऑटो के अलावा इन टैक्सियों में यात्रियों को बैठाया जाता है. पर्यायी व्यवस्था नहीं होने से यात्री भी अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए निजी वाहनों का सहारा ले रहे हैं. दुर्गम क्षेत्र में बसे अधिकतर गांवों तक रापनि की बसें नहीं पहुंच पाती है. जिसके कारण इस क्षेत्र में लोग निजी वाहनों से अधिक सफर करते हैं, लेकिन दूसरी ओर इसका गलत लाभ उठाते हुए और कम समय में अधिक पैसे कमाने के चक्कर में निजी वाहन धारक क्षमता से अधिक यात्रियों को बिठाकर सफर करते हैं. दुर्गम क्षेत्र की सड़कों की हालत खस्ता होने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है.

अस्पतालों में मांग पर रक्तदाता घटे

गोंदिया. पिछले कुछ दिनों से तापमान में उतार चढ़ाव हो रहा है. साथ ही इन दिनों अन्य बीमारियों के साथ-साथ दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हो रही जिससे अस्पतालों में रक्त की मांग बढ़ जाती है. चूंकि रक्तदाता कम हैं और रक्त की मांग ज्यादा हो रही है. स्वास्थ्य विभाग ने रक्तदाताओं से अपील की है कि वे शासकीय मेडिकल कॉलेज और जिला सामान्य अस्पताल में रक्तदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं. देखा जा रहा है कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के आयोजन कम मात्रा में होते दिखाई दे रहे हैं. परिणामस्वरुप रक्त की कमी पाई जाती है. उस अनुसार सामाजिक संस्थाओं और संगठनों से रक्तदान शिविर आयोजित करने की पहल करने की आवश्यकता है ताकि स्वास्थ्य सेवाओं पर विपरित परिणाम न पड़े. दरअसल, हर साल की तरह इस साल भी स्वैच्छिक रक्तदाताओं और शिविरों की संख्या में कमी आई है. जिसके चलते मरीजों को ब्लड देने में चिकित्सा अधिकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. हादसों की संख्या अधिक है. रक्त जीवन है. अगर किसी मरीज को तत्काल रक्त की जरूरत है और वह नहीं मिलता है तो यह जानलेवा हो सकता है. जिला सामान्य अस्पताल में न केवल जिले के भीतर बल्कि पड़ोसी राज्यों सहित अन्य जिलों से भी मरीज आते हैं. स्वाभाविक रूप से यहां हर बारह महीने में रक्त की काफी जरूरत पड़ती है. दुर्घटना में लगी चोटों, सिजेरियन डिलीवरी और अन्य सर्जरी के लिए मरीजों को रक्त की आवश्यकता होती है इसके लिए जरूरतमंदों को नि:शुल्क रक्त मुहैया कराया जाता है. इस साल ब्लड बैंक में सभी वर्ग के रक्त की कमी है. विशेष बात यह है कि रक्तदान शिविर का आयोजन इस कमी को पूरा करता है. कई बार ब्लड बैंकों में रक्त की कमी के कारण मरीजों को निजी ब्लड बैंक से रक्त खरीदना पड़ता है. निजी ब्लड बैंकों में ब्लड स्टॉक नहीं होने से मरीजों के परिजनों की दौड़भाग शुरू हो जाती हैं. हर महिने में कभी- कभी रक्त की कमी हो जाती है.

जीवन उपयोगी साहित्य एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न

दिव्यांगों को समाज में सम्मानजनक स्थान मिलना चाहिए: अंभोरे

कारंजा.

भले ही हम मानते हो कि जीवन और उसके उतार-चढ़ाव सभी ईश्वर की योजना है, लेकिन जब कुछ व्यक्तियों को अपना जीवन पूर्ण अंधकार में जीने के लिए नियत किया जाता है, तो ईश्वर के विचार सभी अर्थों में दर्दनाक हो जाते हैं।

चुनौतियों का सामना करने के लिए उनके मन में साहस और आत्मविश्वास पैदा करने के लिए काम करना एक परोपकारी अभिव्यक्ति लग सकती है, लेकिन स्पष्ट रूप से, यह हमारा कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपने दिव्यांग दृष्टिबाधित भाइयों और बहनों को आत्म-सम्मान और गरिमा का मार्ग दिखाएं और सुनिश्चित करें कि उन्हें हमारे समाज में उचित और सम्मानजनक स्थान मिले।"

ये विचार निर्मिक ग्रामीण विकास और बहुउद्देशीय संस्था, नागपुर की निदेशक जया सतीश अंभोरे ने व्यक्त किए. वह 11 जनवरी को डॉ. बाबासाहब अंबेडकर सांस्कृतिक भवन, कारंजा में आयोजित 'अंध छड़ी एवं कंबल वितरण एवं स्नेह मिलन' कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में बोल रही थीं। यह कार्यक्रम 'निर्मिक ग्रामीण विकास और बहुउद्देशीय संस्था', 'अखिल भारतीय शास्त्री सोशल फोरम', 'श्यामसुंदर राठी मित्र मंडल' और 'बौद्ध कर्मचारी कल्याण संघ' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुंदर राठी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कारंजा (घा.) की नायब तहसीलदार चंद्रशेखर वालके, पीडब्ल्यूडी वर्धा के कार्यकारी अभियंता सतीश अंभोरे, बुलढाणा शहरी सहकारी समिति के मंडल प्रबंधक राजेश बागड़े, अखिल भारतीय शास्त्री सोशल फोरम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इमरान राही, और अन्य गणमान्य लोग मंच पर उपस्थित थे। इम्रान राही ने कहा कि "समाज में परिवर्तन तो हमेशा होता रहता है, लेकिन सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है।

सच्ची शांति केवल उन्हीं तक पहुंच सकती है जो अपने परिवार से आगे बढ़कर वंचितों के बारे में सोचते हैं और उनकी सेवा में खुद को समर्पित करते हैं। यही मानवता की सच्ची सेवा हो सकती है।" कार्यक्रम के अध्यक्ष श्यामसुंदर राठी ने कहा कि "आज का कार्यक्रम यह देखने के लिए आयोजित किया गया है कि हम समाज में नेत्रहीन लोगों के लिए आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की रोशनी कैसे पैदा कर सकते हैं। इस अवसर पर पी पी मोहोळ, सतीश अंभोरे और प्रकाश सिंह बावरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान 90 दृष्टिहीन भाइयों को ब्लाइंड स्टिक और 150 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक नागले, जीतेन्द्र गाडगे, राजेश दहिवाड़े, अनिल मनवार, एस.पी. गाडगे, राजेश धोपाटे, धनंजय खेडकर, श्रीकांत पवार, तेजस महात्माए, संगीता सहारे, जी.आर. गवई, एस.आर. इंगले, मनोज वानखेड़े, यशवंत सहारे, प्रो. सुरेश गोडबोले, डॉ. युवराज तायड़े, प्रशांत सोमकुंवर, रामजी मनोहर, शेख जमील, राजेंद्र इंगले, कमलेश गजभिए, प्रियंका रोशन पंडम, मिलिंद मोतेवार, कृष्णा दहत, वासुदेव सलामे, प्रशांत देउलकर, मोहन कुलकर्णी, हीरासिंह बावरी, गिरीश राठी, एहसान राही, इशिका मोतेवार, ज्ञानेश्वर लोखंडे, रामदास बंसोड़, मदन नागले, गजानन बोरकर, योगेश गायकवाड़, जयश्री गाडगे, दुर्गा कांबले, रामदास तायडे, प्रोफेसर अरविंद सुरोशे, नसरीन शेख और कुणाल चौधरी सहित कई लोगों का योगदान रहा।

सेवा सम्मान समारोह का आयोजन कल

लोपामुद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट और ट्रस्टी लतामा फाउंडेशन मुख्य अतिथि होंगी

वर्धा.

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 को 10.30 बजे अग्निहोत्री महाविद्यालय के 'शिवशंकर' हॉल में सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। डॉ. माधवी लता, अध्यक्ष विरिंच हॉस्पिटल्स, लोपामुद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट और ट्रस्टी लतामा फाउंडेशन, हैदराबाद इस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुमित वानखेड़े और साथ ही देवली विधानसभा क्षेत्र विधायक राजेश बकाने मौजूद रहेंगे। समारोह की सम्मान मुर्ती के रूप में डॉ स्वानंद पुंड, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. मिर्जा रफी बेग, डॉ. अनुज जैन, नारायणजी समर्थ, वकील अमोल तळवेकर,अनघा सराफ, श्रीकांत नायक, डॉ. आरती शनवारे, भावेश और सविता मालविया उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता जय महाकाली शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पंडित शंकर प्रसाद अग्निहोत्री करेंगे। विनीत जय महाकाली शिक्षा संस्थान के सचिव सचिन अग्निहोत्री एवं सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य रहेंगे। प्रत्येक वर्ष 14 को जय महाकाली शिक्षण संस्थान सेवा सम्मान समारोह का आयोजन करता है। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा आचार्य उपाधि प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है।

जिसमें डॉ. प्रकाश आमटे, डॉ. मंदाकिनी आमटे, डॉ. विजय बंग, डॉ. रानी बंग, सिंधुताई सपकाल, मोहन जोशी, पूर्व न्यायाधीश जे.एन. पटेल, विकास सिरपुरकर, उज्जवल निकम, परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र यादव आदि शामिल है। इस वर्ष विधी क्षेत्र में सर्वोच्च पदवी डॉ.ऑफ लॉ प्राप्त करनेवाले डॉ. गजानन जंगमवार के साथ ही आचार्य उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. दिनेश वंजारी, डॉ. प्रिया त्रिवेदी मिश्रा, डॉ. गणेश वैरागडे, डॉ. किरण नागरे, डॉ. वसंती अर्जापुरे, डॉ. स्मिता मांडेकर, डॉ. नलिनी गजभिये, डॉ. मोनाली वावरे, डॉ. रितेश जांभुलकर, डॉ. अतुल तुपकर, डॉ. भूपेश लोनकर को विद्याभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई

आवारा पशुओं पर रिफ्लेक्टिव पट्टियां लगाने के निर्देश

गोंदिया. दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नागरिकों के बीच यातायात नियमों को बढ़ावा देने और प्रसारित करने की आवश्यकता है. वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना और सड़क सुरक्षा सभी स्तरों पर सर्वोच्च प्राथमिकता है जिससे सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए.

यह निर्देश जिलाधीश प्रजीत नायर ने जिलाधीश कार्यालय के सभागृह में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए. बैठक में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, सा.बां. विभाग क्र.1 के कार्यकारी अभियंता नरेश लभाने, उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी राजेंद्र केसकर, नप मुख्याधिकारी संदीप चिद्रवार, यातायात शाखा के पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर, नेशनल हाईवे के उपविभागीय अभियंता मिलिंद निंबालकर, जिला नियोजन अधिकारी सुनील धोंगड़े, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तृप्ति कटरे के साथ ही स्वयंसेवी संस्था के अपूर्व मेठी, दिलीप जैन, तरुण मनुजा, विप्लव जायसवाल, शैलेश अग्रवाल उपस्थित थे.

बैठक में जिलाधीश नायर ने कहा कि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए स्कूल व कॉलेज स्तर पर शिविर आयोजित किए जाए. अंधेरे में नागरिक सड़क पर बैठे पशुओं को नहीं देख सकते, इसलिए सड़क पर घूमने वाले सभी आवारा पशुओं पर रिफ्लेक्टिव पट्टियां लगाई जाए.

इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन न करने, तेज गति से वाहन चलाने, नशे में वाहन चलाने तथा गलत साइड से वाहन चलाने जैसे कारणों से बड़े पैमाने पर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं. हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है और इसका एकमात्र कारण यातायात नियमों का पालन न करना है.

बाइक दुर्घटनाओं के भी यही कारण हैं. मानव जीवन गति से अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए नागरिक यातायात नियमों का सख्ती से पालन करे. उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां अगली बैठक में सड़क सुरक्षा के संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करें.

जिले में 8 ब्लैक स्पॉट, इसमें से 2 ठीक, 6 बाकी

गोंदिया जिले में नैनपुर (डुग्गीपार पुलिस थाना), मासुलकसा (देवरी थाना), मुंडीकोटा (तिरोड़ा थाना), सहकारनगर (तिरोड़ा थाना), गैस गोदाम (सालेकसा थाना), भागवतटोला परिसर (रामनगर थाना), कटंगी कला परिसर (रामनगर थाना), कुनबीटोला/बाराभाटी (अर्जुनी मोरगांव थाना)) ऐसे कुल 8 ब्लैक स्पॉट है, इनमें से 2 ब्लैक स्पॉट, नैनपुर अ और मासुलकसा को ठीक कर दिया है, शेष 6 ब्लैक स्पॉट पर उपाय किए जा रहे हैं. जिले में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या 3 लाख 75 हजार 351 है. इसमें दो पहिया वाहन 3 लाख 8 हजार 747, तिपहिया व चार पहिया वाहन 28 हजार 791, परिवहन 36 हजार 768 तथा अन्य 1 हजार 45 वाहन शामिल हैं, ऐसी जानकारी बैठक में दी गई.

सौर ऊर्जा की लाइट बंद कई गांव अंधेरे में

गोंदिया. बिजली बचत व ग्रामीणों को अंधेरे से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से 2014-15 में जिला परिषद के तहत जिले के गांव-गांव में सौर ऊर्जा लाइट लगाए गए थे जिससे तहसील के अनेक ग्रामों में यह सुविधा उपलब्ध कराई गई. शासन ने निजी कंपनियों को गांवों में सौर लाइट लगवाने का कार्य सौंपा था जिसमें एक वर्ष तक मेंटेनेंस की जिम्मेदारी कंपनी की थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है. एक बार लाइट लगने के बाद इन कंपनियों ने मुड़ कर भी नहीं देखा. वहीं निधि के अभाव में ग्राम पंचायतों ने भी इसकी देखभाल नहीं की है. ऐसे में अधिकतर गांवों में सौर ऊर्जा लाइट आज बंद पड़े हैं. लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी यह सुविधा कुछ महीने भी टिक नहीं पाई है. जिससे शासन की यह योजना पूरी तरह फेल साबित हुई है. अनेक गांवों में स्ट्रीट लाइट की सुविधा उपलब्ध नहीं है. वहीं सौर ऊर्जा लाइट वर्षों से शोपीस बने बंद पड़े हैं. खेती किसानी के कार्य चल रहे है. वहीं किसानों को देर रात तक अंधेरे में खेतों में आना पड़ रहा है. जिसमें सांप, बिच्छू जैसे विषधारी जंतुओं का खतरा बढ़ गया है. जिले के कुछ ही गांवों में स्ट्रीट लाइट शुरू है, लेकिन बारिश के चलते बिजली गुल की समस्या रहती है सौर ऊर्जा लाइट वरदान साबित हुआ करते हैं, लेकिन गांव में सौर लाइट की स्थिति बिल्कुल विपरीत है.

स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस संपन्न

वर्धा. 12 को स्थानीय विवेकानन्द कॉलोनी यशवन्त नगर, हिंगनघाट जिला वर्धा में युवा दिवस मनाया गया। इस समय स्वामी विवेकानंद के पुतले पर श्यामभाऊ भीमनवार ने पुष्पांजलि अर्पित की. कार्यक्रम में सोसायटी के अध्यक्ष साटोणे, शिंदे, डांगे, विष्णुजी ईटनकर, चांभारे, संदीप डेहने, कुडमेथे इस कार्यक्रम में मौजुद थे.

भारी वाहनों से उखड़ी गांवों की सड़कें

गोदिया.

भारी वाहनों की आवाजाही रोकने की मांग

❍ इस संबंध में अनेक ग्राम पंचायतों ने एकजुट होकर एक प्रस्ताव के जरिए तहसील प्रशासन से गांव के अंदर की सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने की मांग की है. फिर भी राजस्व प्रशासन इसकी अनदेखी कर रहा है. हालांकि यातायात नियमों का उल्लंघन कर भारी वाहनों द्वारा आवागमन किया जा रहा है, लेकिन परिवहन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है. इसलिए, तिरोड़ा तहसील निवासियों का आरोप है कि परिवहन और राजस्व विभाग की मिलीभगत से रेत परिवहनकर्ताओं का प्रभाव बढ़ रहा है. तहसीलवासियों की मांग है कि जन प्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए.

तहसील के घाटों से बड़ी मात्रा में रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है. इसके बावजूद राजस्व प्रशासन द्वारा ढुलमुल कार्रवाई कर शासन को गुमराह किया जा रहा है. दूसरी ओर तहसील में रेत तस्करों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है. नागरिकों का कहना है कि उन्हें अधिकारियों का संरक्षण मिल रहा है.

परिवहन विभाग के नियमों का उल्लंघन कर रेत व अन्य गौण खनिज का भारी वाहनों द्वारा परिवहन किए जाने से तहसील की सड़कें खराब हो गई हैं. लेकिन राजस्व और परिवहन विभाग द्वारा इन सभी मामलों की उपेक्षा की जाती है.

जिला राजस्व प्रशासन ने तहसील में घाटों की नीलामी की. लेकिन, सरकार के फैसले की अवहेलना करते हुए निर्धारित घाटों के बजाय दूसरे स्थानों से अवैध तरीके से बड़ी मात्रा में रेत की निकासी की जा रही है. यही नहीं, मशीनों के माध्यम से बेधड़क रेत उत्खनन किया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर तहसील में भारी वाहनों का परिवहन किया जा रहा है. इससे गांवों की सड़कें खराब होने लगी हैं. भारी वाहनों के नियमित आवागमन से गांवों को जोड़ने वाली सड़कें अब दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं.

एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधियां

> सुरक्षा बलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एलओसी (लाइन ऑफ कंट्रोल) के पास संदिग्ध आतंकवादी गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सेना ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है. अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान में ड्रोन और और कई हाई-टेक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है. यह तलाशी अभियान रविवार को उस समय और अधिक सक्रिय हो गया जब ग्रामीणों ने जोगीवन वनक्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी.बारामूला में शनिवार को भट्टल क्षेत्र में ग्रामीणों ने संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना दिए जाने के बाद सेना की कई इकाइयों ने तलाशी अभियान शुरू किया. ग्रामीणों को संदेह था कि ये घुसपैठिए आतंकवादी हो सकते हैं. इसके बाद सुरक्षा बलों ने क्षेत्र को घेर लिया और खोज

अभियान को व्यापक रूप से शुरू कर दिया. अधिकारियों के अनुसार, अब तक संदिग्धों का कोई सुराग नहीं मिला है, हालांकि तलाशी अभियान जारी है. सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया है. इलाके में ड्रोन तैनात किए गए हैं ताकि घने जंगल और दुर्गम क्षेत्रों की निगरानी की जा सके. इसके अलावा खोजी कुत्तों की मदद से संदिग्ध आतंकवादियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. सेना के इस अभियान में पुलिस दल भी शामिल हैं, जो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं.पिछले साल 28 और 29 अक्टूबर को अखनूर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने दो दिन ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया था. अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान में ज्यादा से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है ताकि व्यापक क्षेत्र को कवर किया जा सके. सेना और पुलिस क्षेत्र में किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं.

'लाडकी बहिन योजना' बंद होगी, यह महज अफवाह

मुंबई. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'लाडकी बहिन योजना' को बंद करने के विपक्ष के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ऐसी अफवाहें हैं कि हम 'लाडकी बहिन योजना' और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देंगे. मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि महिलाओं, दलितों और हाशिए पर पड़े लोगों के लाभ के लिए लागू की गई प्रत्येक योजना जारी रहेगी. मौजूदा योजनाओं के अलावा, हम अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को भी पूरा करेंगे.

इससे पहले भी पिछले साल दिसंबर महीने में सीएम ने आश्वासन दिया था कि महिलाओं के लिए अहम 'लाडकी बहिन' योजना सहित सरकार की सभी योजनाएं जारी रहेंगी. इस दौरान उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि हाल के राज्य चुनावों के दौरान BJP के नेतृत्व वाले गठबंधन ने लोकसभा चुनाव अभियान में विपक्ष के फेक नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया.

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान महायुति ने लाडली बहिन योजना के तहत मासिक भुगतान 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करने की घोषणा की थी. इस दौरान डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा था कि इस योजना पर सरकारी खजाने से 46 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे.

आनंद मेला में विद्यार्थियों ने सीखें व्यवसाय के गुर

> हाजी रफीक अहेमद लोहार नप उर्दू उच्च प्राथमिक शाला क्र 2 का आयोजन

पुसद।

शालेय शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा आयोजित आनंद मेला में बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लेकर विद्यार्थियों ने व्यावहारिकता के गुर सीखें.

शनिवार को नेहरू वार्ड लोहार लाइन में स्थित हाजी रफीक अहेमद लोहार नगर पालिका उर्दू उच्च प्राथमिक शाला क्रं 2 में बच्चों का आंनद मेला महोत्सव संपन्न हुआ. जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजनों और खाद्य पदार्थो के आकर्षक स्टॉल लगाएं. इस कार्यक्रम में अभिभावक और शाला व्यवस्थापन समिति के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर अपने बच्चों का हौसला बढ़ाया. इस कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष नगर परिषद शिक्षा विभाग प्रशासन अधिकारी धिरज आडे उपस्थित थे. प्रमुख अतिथि के तौर पर नगर पालिका क्रमांक 2 के केंद्र प्रमुख देवानंद मोहिते सर और शाला व्यवस्थापन समिती के अध्यक्ष फारुक अहेमद तेली,नगर पालिका हिंदी शाला क्रं 1 के मुख्याध्यापक सुनिल जाधव सर, जिला परिषद उर्दू शाला के मुख्याध्यापक मतीन सर, नगर पालिका उर्दू शाला क्रं 1 के मुख्याध्यापक मोहम्मद मुजाहिद सर, नगर पालिका उर्दू शाला क्रमांक 3 के सहायक शिक्षक अब्दुल हमीद सर , अक्रम सर ,निसार अहेमद लोहार भाई, मोईन भाई, शेकरू भाई, जमील भाई, अब्दुल रशिद भाई, मोहम्मद फारूक तेली , एजाज भाई टेलर ,शकील भाई, इम्रान भाई, सफूरा खाला, सलमा बाजी आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का उद्द्घाटन प्रशासन अधिकारी धीरज आड़े के हाथों किया गया. सूत्रसंचालन की बागडौर खान सादिक सर ने संभाली थी. कार्यक्रम की सफलता के लिए शाला व्यवस्थापन समिती के अध्यक्ष सहित सभी सदस्य और स्कूल के मुख्याध्यापक मो.शारिक, सहाय्यक शिक्षक खान सादिक, बालवाडी शिक्षिका वहिदा रहेमान बाजी, मदतनीस मुस्कान सदफ, ताहेरा बाजी ने अथक परिश्रम लिया. इस आनंद मेले में हिस्सा लेकर विद्यार्थियों ने खरीदी बिक्री,लेन देन, नफा, हिसाब किताब आदि आर्थिक व्यावहार का प्रत्यक्ष अनुभव ले रहे विद्यार्थियों के प्रसन्न चित्त चेहरों पर विभिन्न व्यंजनों को बनाने में लगी लागत और व्यंजन तथा खाद्य सामग्री की बिक्री से हासिल मुनाफे की खुशी साफ झलक रही थी. नेहरू वार्ड लोहार लाइन पुसद में स्थित हाजी रफीक अहेमद लोहार नगर पालिका उर्दू उच्च प्राथमिक शाला क्रं 2 के मुख्याध्यापक तथा शिक्षकों, कर्मचारी और विद्यार्थीयों ने इस उम्दा आंनद मेले के आयोजन में जो योगदान दिया है वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है.

191 रुग्णताओं को मुख्यधारा में लाया

गोंदिया. संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग 'क्षयरोग के 100 दिन' अभियान चला रहा है. जिलाधीश प्रजीत नायर, जिप सीईओ मुरुगानंथम, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे के मार्गदर्शन में अभियान क्रियान्वित किया जा रहा है. जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार ने बताया कि रोग के प्रसार को कम करने व मृत्यु दर में कमी लाने के लिए भारत सरकार द्वारा क्षयरोग मुक्त करने के लिए 24 मार्च तक 100 दिवसीय क्षयरोग अभियान चलाया जा रहा है. इसमें शिविरों के माध्यम से समुदाय को जानकारी दी जाएगी. उच्च जोखिम वाली आबादी की जांच की जाएगी, जिसमें 2 सप्ताह से अधिक खांसी, भूख न लगना, वजन कम होना, सीने में दर्द, शाम को हल्का बुखार, थूक में खून, पूर्व में क्षयरोग हुए रोगी के साथ रहने वाले, एचआईवी संक्रमित रोगी, कुपोषित व्यक्ति और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग. मधुमेह और धूम्रपान करने वालों की क्षयरोग संबंधी जांच की जा रही है. डॉ. गोल्हार ने बताया कि अभियान के तहत 7 दिसंबर 2024 से 9 जनवरी 2025 तक पहले 30 दिन में ही सह-रुग्णता वाले 51292 लोगों की जांच की गई.

मकर संक्रांति पर तीन हजार स्पेशल ट्रेन्स

प्रयागराज. महाकुंभ को लेकर प्रयागराज रेल मंडल की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ श्रद्धालुओं के ट्रेन से प्रयागराज पहुंचने का अनुमान है. 14 के दिन मकर संक्रांति के पहले राजसी स्नान पर लगभग 1 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर सकते हैं. प्रयागराज रेल मण्डल ने मकर संक्रांति के दिन रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए विशेष प्लान तैयार किया है. रेलवे स्टेशनों पर लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए प्रवेश, निकास और ठहरने, टिकट लेने की योजनाओं को तैयार किया गया है. प्रयागराज रेल मण्डल महाकुंभ के दौरान 3000 मेल स्पेशल ट्रेनों के साथ लगभग 13000 ट्रेनें चलाएगा. महाकुंभ के पहले राजसी स्नान पर्वों पर प्रयागराज रेल मण्डल के स्टेशनों पर इंट्री और एक्जिट पर किसी को परेशानी ना हो इसके लिए प्लान तैयार किया गया है. जन संपर्क अधिकारी अमित सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि मकर संक्रांति के दिन प्रयागराज जंक्शन में प्रवेश केवल सिटी साइड, प्लेटफोर्म नं.-1 की ओर से, और निकास केवल सिविल लाइंस साइड की तरफ होगा. अनरिजर्व्ड यात्रियों आश्रय स्थलों के माध्यम से सही प्लेटफार्म की जानकारी दी जाएगी. वहीं रिजर्वेशन वाले यात्रियों को प्रयाराज जंक्शन के सिटी साइड से गेट नंबर 5 से प्रवेश कराया जाएगा. इसी तरह नैनी जंक्शन पर प्रवेश केवल स्टेशन रोड से दिया जाएगा और निकास मालगोदाम की ओर, दूसरे प्रवेश द्वार से होगा.

प्रयाग जंक्शन में मकर संक्राति के दिन 14 जनवरी को इंट्री केवल चैथम लाइन, प्लेटफॉर्म नं.-1 की ओर से तो वहीं निकासी रामप्रिया रोड, प्लेटफॉर्म नं.- 4 की ओर से होगी. लेकिन आरक्षित या रिजर्वड यात्रियों को सहसों मार्ग से द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर से ही प्रवेश दिया जाएगा.

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर हो कार्रवाई

गोंदिया. उचित देखभाल व दुरुस्ती के अभाव में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सहजता से फिटनेस प्रमाणपत्र मिलता है जिससे मार्गो पर दौड़ने वाले ऐसे अनफिट वाहनों से शहर के प्रदूषण में वृद्धि हो रही है. इस तरह के वाहनों के लिए नियमावली बनी है, लेकिन इस संदर्भ में कोई गंभीर नहीं है. जिससे बाहर से आकर्षक दिखने वाले वाहन मार्गो पर दौड़ते समय काला धुआं छोड़ रहे है इनसे वायु प्रदूषण बढ़ रहा है. लोगों को दम, श्वास रोग जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. मार्गो पर तेज गति से दौड़ने वाली बस, ट्रक, कार व दोपहिया सहित अन्य वाहनों के कर्कश हॉर्न और पुराने वाहनों की आवाज से ध्वनि प्रदूषण बढ़ा है जिससे लोगों में बहरेपन की समस्या निर्माण हुई है.

नगर के मुख्य मार्ग पर खड़े वाहनों से खतरा

> हमेशा दुर्घटनाओं का रहता है अंदेशा

गोंदिया.

शहर के मुख्य मार्ग पर सड़क के किनारे भारी वाहन खड़े रहते हैं और गंभीर दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है. संबंधित विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

मांग की गई है कि सड़क किनारे वाहन खड़ा करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की जाए. गोंदिया-गोरेगांव, गोंदिया-आमगांव और देवरी-कोहमारा राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर अक्सर ट्रक, कंटेनर आदि खड़े रहते हैं, लेकिन गोंदिया से बालाघाट मार्ग, गोंदिया से तिरोड़ा मार्ग, गोंदिया आमगांव मार्ग व गोंदिया से गोरेगांव मार्ग हमेशा ट्रकों से भरा रहता है. जिससे वाहन चालकों को यहां से वाहन निकालने

में परेशानी का सामना करना पड़ता है. सड़क किनारे खड़े अधिकांश ट्रकों में रिफ्लेक्टर तक नहीं लगे हैं.

इसके चलते रात में ट्रक दिखाई नहीं देते. रात के समय तेज गति से चलने वाले वाहन इन ट्रकों से टकराते हैं तो दुर्घटनाएं होती हैं. अब तक ऐसी घटनाओं में कई लोगों की जान जा चुकी है. अब सड़कें अच्छी हैं. इसलिए सड़क पर वाहन तेजी से दौड़ते हैं.

ऐसे में सड़क के किनारे खड़े वाहनों से गंभीर दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है. कई वाहनों में रिफ्लेक्टर नहीं गोंदिया से आमगांव मार्ग व बायपास मार्ग पर ऐसा नजारा हमेशा देखने को मिलता है. इस सड़क पर दिन भर भारी यातायात रहता है. जिससे हमेशा यातायात जाम रहता है. प्रत्येक वाहन पर रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य है. जिससे रात में वाहन पार्क करने पर अन्य वाहन चालकों को वाहन नजर आते. लेकिन अधिकांश वाहनों में रिफ्लेक्टर नहीं होते हैं. इसलिए तेज रफ्तार वाहनों के ऐसे वाहनों से टकराने पर दुर्घटनाएं होती हैं.

थानेदार सेवानंद वानखड़े ने विभिन्न क्रीड़ा स्पर्धाओं का किया उद्घाटन

> ऑपरेशन प्रस्थान के तहत जारी है खेल स्पर्धाओं का आयोजन!

दिग्रस।

यवतमाल जिला पुलीस द्वारा जिले में ऑपरेशन प्रस्थान की एक विशेष मुहिम शुरु की गई है. इस मुहिम के तहत जिले के सभी पुलिस थानों के अंतर्गत विभिन्न खेल स्पर्धाओं आयोजन किया गया है. इस कड़ी में दिग्रस शहर के बुटले कॉलेज में शनिवार को स्थानीय टीमों के बीच कबड्डी का मुकाबला संपन्न हुआ. कब्बडी के मुकाबले में दिग्रस शहर समेत तहसील की 12 टीमों ने हिस्सा लिया था. कब्बडी के अंतिम मुकाबले में तहसील के आरंभी गांव की टीम ने अव्वल स्थान हासिल कर जीत दर्ज की वहीं मोख ग्राम की टीम दूसरे स्थान पर रही. इसी तरह से शहर के क्रीड़ा संकुल में रविवार को क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया. जिसका उदघाटन दिग्रस पुलीस थाने के पुलीस निरीक्षक सेवानंद वानखड़े ने किया. इस क्रिकेट स्पर्धा में 10 क्रिकेट टीमो ने सहभाग लिया. गौरतलब है कि इसी कड़ी में रविवार को वालीबॉल स्पर्धा का आयोजन दिग्रस पुलीस थाने के प्रांगण में किया गया.

हिंगना में बार सहित कपड़े की दुकान के ताले टूटे

हिंगना. हिंगना नगरपंचायत क्षेत्र के भोसलेवाडी इलाके में स्थित डायमंड बार और बिग बॉस नामक कपड़े की दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने शटर फोड़कर हजारों रुपये का माल चोरी कर लिया। घटना आज सुबह करीब 6 बजे सामने आई। जानकारी के अनुसार, भोसलेवाडी में मार्केट परिसर है। बीती रात करीब 2:00 बजे के दौरान चतुर के घर पर स्थित बिग बॉस नामक कपड़े की दुकान का लॉक तोड़कर चोरों ने दुकान से जींस पैंट, शर्ट, बेल्ट और अन्य सामग्री मिलाकर लगभग 50 हजार रुपये का सामान चुराया। इसके बाद चोर डायमंड बार की ओर बढ़े और बार के ताले को तोड़कर अंदर घुसे। बार से सिगरेट के पैकेट और कुछ चिल्लर पैसे लेकर कुल 1500 रुपये का माल उड़ा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया और अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। इस परिसर में पुलिस की गश्त होने के बाबजूद चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया, जिससे गश्त करने वाले पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस निरीक्षक जितेंद्र बोबडे के मार्गदर्शन में इस मामले की आगे की जांच जारी है।

पहला अंतरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन

> 17 देशों से पहुंचे लोग

देहरादून. देहरादून में रविवार (12 जनवरी) प्रथम अंतरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में 17 देशों से आए प्रवासी उत्तराखंडियों ने शिरकत की. उत्तराखंड के विकास में प्रवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करने और उनके अनुभवों का लाभ उठाने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर किया गया.

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विदेशों में बसे उत्तराखंडियों को अपनी जड़ों से जोड़ना और राज्य के विकास के लिए उनके अनुभव, सुझाव और निवेशों की संभावनाओं पर चर्चा करना है. प्रवासी उत्तराखंडियों का स्वागत उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार किया गया. एयरपोर्ट और होटलों पर पारंपरिक लोकगीतों और नृत्य के साथ उनका अभिनंदन किया गया. इस अनूठे स्वागत से प्रवासी गदगद नजर आए.

यूएई से आए शैलेंद्र नेगी ने कहा, "उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं से स्वागत एक विशिष्ट अनुभव है. यह सम्मेलन हमारी मातृभूमि से जुड़ने का एक बेहतरीन अवसर है." इससे पहले

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, "उत्तराखंड के प्रवासी हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं. उनकी प्रतिभा और अनुभव का लाभ राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मिलेगा." मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिसंबर 2023 में आयोजित इन्वेस्टर समिट से पहले विदेश दौरे के दौरान प्रवासियों से मुलाकात की थी. इसी दौरान उन्होंने विदेशों में बसे उत्तराखंडियों के अनुभवों का लाभ उठाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रवासी सम्मेलन की योजना बनाई. इसके लिए राज्य सरकार ने प्रवासी उत्तराखंडी सेल का गठन किया. सम्मेलन में चार प्रमुख सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उत्तराखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में विकास और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई.

शुभांक

श्रीदेवी	470-1	250-7
श्रीदेवी नाईट	456-5	228-2

सामाजिक संस्थाओं ने सेवाभावी कार्य के लिए आगे आना चाहिए डॉ.अजीज खान!

मदनी शिफा चैरिटेबल क्लिनिक का उद्घाटन संपन्न 200 मरीज ने लिया फ्री मेडिकल कैंप का लाभ

नागपुर.

जमीअत उलमा (अरशद मदनी) नागपुर के तत्वाधान में टीमकी भानखेड़ा मोमिनपुरा में मदनी शिफा क्लीनिक व फ्री मेडिकल कैंप का उद्घाटन डॉ अजीज खान (हार्ट स्पेशलिस्ट) के हाथों संपन्न हुआ डॉ अजीज ने कहा सामाजिक संस्थाओं ने सेवाभाविक कार्य के लिए जनमानुष की सेवा के लिए आगे आना चाहिए इस अवसर पर डॉ. संचिता कुंभारे (सर्जन।सर्जरी डिपार्टमेंट इंदिरा गांधी मेयो हॉस्पिटल) डॉक्टर शब्बीर राजा(किडनी स्पेशलिस्ट) डॉ. अतहर जमाल (चाइल्ड स्पेशलिस्ट) डॉ.नसरा जमजम (स्किन स्पेशलिस्ट) डॉ. शगुफ्ता (स्त्री रोग) डॉ पूनम. डॉ. दानिश. डॉ. चारू डॉ.आयशा सिद्दीका. डॉ. सभाकौसर.(जनरल फिजिशियन) ने अपनी सेवा प्रदान की कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कारी साबिर (अध्यक्ष जमीयत उलेमा जिला नागपुर) हाफिज मसूद(पूर्व अध्यक्ष जमीअत उलमा महाराष्ट्र) हाफिज मो. मुख्तार. अब्दुल रशीद. अलीम खान. सिराज अहमद .जाहिद अंसारी. ताजामुल हुसैन(उपाध्यक्ष जमीअत उलमा जिला नागपुर.) शरीफ अंसारी (कोषअध्यक्ष जमीयत उलेमा जिला नागपुर) जमील उर रहमान अंसारी. मुख्तार अंसारी .मुस्ताक भाई. ताज मो. एनुअलहक उपस्थित थे कार्यक्रम को सफल बनाने में अतीक कुरेशी (महासचिव जमीअत उलमा जिला नागपुर) हाजी एजाज पटेल. अबू हाशिम. मो.अकरम. मो. अशफाक बाबा. बिलाल अंसारी. शाहबाज अख्तर. मो. शाहिद अंसारी मो. इरशाद .हुजैफ. दानिश. मो. सुफियान अब्दुल बासित. अजहर .शोएब खान जावेद अखिल मो.सुल्तान. सलीम अंसारी .अब्दुल वहीद .नबील फैज. अब्दुल अज़ीज़ .शरीक जमाल. मोहसिन अंसारी. आदि ने अपना सहयोग दिया